Passport obtained from Travel Agents

3632. SHRI S. S. AHLUWALIA : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased refer to the reply to the Starred Question 204 given in the Rajya Sabha on the 10th March, 1993 and state :

(a) whether it is a fact that obtaining passports through travel agents has become a smooth affair because of the fact that the members of passport seeking public are being harassed as the atitude of the officials at the passport offices has been to reject keep pending their application without assiging any reasons whereas applications channelised through travel agents are processed promptly; and

(b) whether Government have received any complaints of corruption against passport officials, if so, action taken to discourage corruption at the passport offices in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA) : (a) No Sir. A first-come-first-served system of issue of passports has been instituted without of turn/priority isssue of passsports only for specified categories of applicants who have to submit proof of urgency. No distinction is made between applications submitted by Travel Agents and those submitted by the member of the public.

(b) Yes Sir. Whenever investigations substantiate a complaint of corruption against a passport official action, including prosecution, is taken against the official. The Government is engaged in streamlining procedures and improving the infrastructure available at the passport offices in order to reduce delays in the issue of passports as the Government believes that delays breed corruption.

जकार्ता में गुट निरपेक्ष शिखर सम्मेलन

3633. **श्री आनन्द प्रकाश गौतम :** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में जकार्ता में हुए गुट-निरपेक्ष आन्दोलन के शिखर सम्मेलन के सम्बन्ध में "रियो" घोषणा के प्रति विश्वव्यापी भावनाओं को मूर्त रूप देने हेतु कोई शुरूआत की गई है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या भारत ने इस सम्बन्ध मे कोई प्रस्ताव रखा था ; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में अन्य सदस्य देशों की प्रतिक्रियाएं क्या रहीं ?

विदेश मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) से (घ) जकार्ता में 1 से 6 सितम्बर, 1992 तक आयोजित गुट-निरपेक्ष, देशों के राज्याध्यक्षों अथवा शासनाध्यक्षों के दसवें सम्मेलन में रियो में (जून, 1992) में यू० एन० सी० इ० डो० के निष्कर्ष का स्वागत किया और बलपूर्वक कहा कि पर्यावरण की सार्वभौम समस्या का स्थायी समाधान टिकाऊ विकास की अवधारणा में ही है । इस शिखर सम्मेलन में नए और अतिरिक्त स्त्रोतों, तकनीकी सहायता तथा पर्यावरण की दृष्टि से विश्वसनीय और ठोस प्रौद्योगिकी जो विकासशील देशों को गैर-वाणिज्यक आधार पर उपलब्ध कराई जाए, वरियता के आधार पर तथा रियायती शर्तों पर उन्हें दी जाए ताकि रियो घोषणा को क्रियान्वित किया जा सके । इस विषय पर "नाम" में सहमति कायम करने की दिशा में भारत ने अहम भूमिका निभाई ।